अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024) दिनांक : 24.08.2024

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

बावन बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) श्रावक के बारह व्रतों के द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और गुण की चर्चा।

(ख) चौदह गुणस्थानों में आश्रव और संवर के बोल कितने-कितने पाते हैं?

(ग) धर्म-अधर्म, दया-हिंसा, शुभयोग-अशुभयोग, व्रत-अव्रत व ज्ञान-अज्ञान कितने भाव? कितनी आत्मा?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) उदय के तैतीस बोल में सावद्य कितने? निरवद्य कितने?

(ख) चौदह गुणस्थान में शरीर कितने?

(ग) पापस्थान का उदय, उपशम, क्षायिक, क्षयोपशम निष्पन्न छह द्रव्य में कौन? नौ में कौन?

(घ) पदार्थ कितने भाव? यावत् मोक्ष पदार्थ कितने भाव?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) उदय आदि छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) पांच महाव्रत, पांच समिति, तीन गुप्ति कितने भाव? कितनी आत्मा तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ग) चौबीस दण्डक में लेश्या कितनी?

(घ) बाईस परीषह किस-किस कर्म के उदय से?

इक्कीस द्वार–25

प्र. 4 काई चार बोल पूरा लिखें– 20

(क) अभवी।

(ख) वचन योगी।

(ग) अकषायी।

(घ) सास्वादन सम्यक्त्वी।

(ड़) संयता संयती।

(च) अपरित।

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) मनुष्य स्त्री में – जीव के भेद व योग।

(ख) चक्षुदर्शन में – गुणस्थान व उपयोग।

(ग) नपुंसक वेदी में – गुणस्थान व दण्डक।

(घ) तेजोलेश्यी में – जीव के भेद व दण्डक।

(ड़) अनाहारक में – जीव के भेद व गुणस्थान।

(च) असंज्ञी में – दृष्टि व दण्डक।

(छ) अचरम में – योग व भाव।

जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खंड)–30

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) धर्म अधर्म द्वार लिखें?

(ख) विश्राम द्वार लिखें।

(ग) काई दो पद्यों को पूरा करें–

हिवै सुणण्यो.....ताणज्यो ए।

जीव जीवै.....गुण खाण।

शील आदरियो.....मोय।

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) पारमार्थिक दान के कितने प्रकार हैं? पद्य सहित लिखें।

(ख) गुणस्थान को परिभाषित करते हुए 3, 8, 9 का वर्णन करें।

(ग) धर्म के दस भेदों के नाम लिखें।

(घ) निर्ग्रंथ के कितने प्रकार हैं, लिखें?

(ड़) ज्ञान किसे कहते हैं? प्रत्यक्ष ज्ञान के कितने भेद हैं?

(च) अंग कितने हैं, नाम लिखें?

(छ) चींटी, मकोड़े, जूं आदि में पर्याप्ति, प्राण, योग और उपयोग कितने हैं?

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) निश्चय नय किसे कहते हैं?

(ख) श्रावक का दूसरा मनोरथ लिखें।

(ग) उद्दिष्ट वर्जक प्रतिमा किसे कहते हैं?

(घ) परोक्ष ज्ञान के पांच प्रकार लिखें।

(ड़) मूल सूत्र कितने हैं? नाम लिखें।

(च) बंध छह में कौन? नौ में कौन?

(छ) सम्यक्त्व के कितने भूषण हैं? नाम लिखें।

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान–20

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– (प्रत्येक खंड से दो प्रश्नों को हल करें) 12

तत्त्व प्रचेता–पच्चीस बोल

(क) सोलहवां विषय।

(ख) तेरहवां आश्रव।

(ग) अंक बत्तीस के भंग कितने?

(घ) द्रव्य किसे कहते हैं?

चतुर्भंगी–

(ड़) प्राण किस कर्म का उदय?

(च) किस मोक्ष तत्त्व के जीव कम, किस मोक्ष तत्त्व के जीव अधिक?

(छ) व्युत्सर्ग वाले जीव कम क्यों होते हैं?

(ज) द्रव्य योग अजीव क्यों है?

तत्त्व चर्चा–

(झ) अठारह पापों का सेवन का त्याग करना छह में कौन? नौ में कौन?

(ञ) धर्म और अधर्मास्ति एक या दो?

(ट) निरवद्य पुण्य या पाप?

पच्चीस बोल की चर्चा– (किसमें व कौन-कौन से)

(ठ) पांच उपयोग।

(ड) बारह दण्डक।

(ढ) चार काय।

प्र. 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) **कर्म प्रकृति–**वेदनीय कर्म की स्थिति लिखें।

अथवा

चारित्र मोहनीय कर्म की प्रकृतियों की स्थिति लिखें।

(ख) **जैन तत्त्व प्रवेश–**रूपी-अरूपी द्वार व सावद्य निरवद्य द्वार लिखें।

अथवा

षड्द्रव्य द्वार लिखें।